वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 43 | शुक्रवार 7 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कर्मचारी संगठनों के साथ बजट पूर्व संवाद

कार्मिकों की समस्याओं के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कर्मचारियों की अहम भूमिका है। उनकी सक्रियता के कारण ही स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, आधारभूत ढ़ांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुंच रहा है और अन्त्योदय की परिकल्पना साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारी हितों के प्रति संवेदनशील है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कर्मचारी महासंघों-संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ परिवर्तित बजट 2024-25 से पूर्व आयोजित संवाद को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी राजस्थान-परिवार की प्रगति का प्रमुख माध्यम है। गांव हो या शहर या सचिवालय, हर स्तर पर उनकी सक्रियता से छोटे-बड़े कार्य संपादित होते हैं। प्रदेश के विकास, लोगों के कल्याण और समाज के उत्थान के कार्यों में उनकी भूमिका से ही आपणो अग्रणी राजस्थान का लक्ष्य प्राप्त हो सकेगा। कार्मिकों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार का कर्तव्य है। साथ ही, राज्य सरकार उन कार्मिकों को सम्मानित करने के लिए संकल्पबद्ध है जो गुड-गवर्नेंस के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। हाल ही में हुए लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा आम चुनाव को संपादित करने में कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही है।

विकसित राजस्थान का रोडमैप तैयार करेगा परिवर्तित बजट

शर्मा ने कहा कि प्रदेशभर में कार्यरत कर्मचारी सभी क्षेत्रों की समस्याओं और महत्पपूर्ण विषयों की नब्ज जानते हैं। इसलिए कर्मचारी संगठनों को स्वयं के विषयों के अतिरिक्त भी अन्य सभी विषयों पर सुझाव देने चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी बजट सभी वर्गों एवं हितधारकों की अपेक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया जाएगा। प्रो-पीपल अप्रोच के साथ राज्य सरकार इस बजट में विकसित राजस्थान का रोडमैप तैयार करेगी।

मंत्री सुनें कर्मचारियों की समस्याएं, करें समाधान: मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी संगठनों के महत्वपूर्ण सुझाव आगामी बजट को समावेशी बनाने में कारगर साबित होंगे। राज्य सरकार सकारात्मक सुझावों का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर उन्हें बजट में शामिल करने का हर संभव प्रयास करेगी। साथ ही, उन्होंने सभी विभागों के मंत्रियों को कर्मचारियों-अधिकारियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं को सुनने और उनका समाधान करने के निर्देश भी दिए। विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बजट पूर्व संवाद में उन्हें आमंत्रित करने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। राज्य सरकार मात्र 6 महीने के अंदर ही कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान ले रही है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक हेमंत गेरा सहित विभिन्न विभागों से जुड़े कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के तहत स्थानीय स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम

प्लास्टिक मुक्त राज्य के लिए संकल्पबद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा आयोजित किये जा रहे जन-जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में गुरुवार को मण्डल अधिकारियों द्वारा आमजन को प्लास्टिक केरी बैग्स के उपयोग पर्यावरण को होने वाले नुकसान से जागरूक करवाया साथ ही झालाना क्षेत्र के आसपास झुग्गी बस्ती क्षेत्रों में, सब्जी एवं फलों की दुकानों पर एवं आमजन को कपड़े के थैलों का वितरण किया गया ताकि प्लास्टिक के थैलों की जगह कपड़े के थैले को रोजाना की जीवनशैली की आदत बनाया जा सके। इस दौरान मौजूदा अधिकारियों ने प्लास्टिक उत्पादों एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के सम्बन्ध में भी जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त वृक्षारोपण एवं सीड बॉल्स का वितरण कार्य सभी के सहयोग से करवाया गया एवं पर्यावरण के लिए पेड़ों के महत्व को समझाते हुए अधिकाधिक वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान बच्चों एवं क्षेत्रवासियों में प्रदूषण मण्डल द्वारा स्थापित सेल्फी पॉइंट के प्रति काफी उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों ने सेल्फी पॉइंट के साथ सेल्फी लेते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपने कर्तव्य निर्वाह करने का प्रण लिया।

विशेष पूजा विधान का कार्यक्रम आयोजित

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। 108 आचार्य चेत्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 7 जून 2024 तक विशेष पूजा विधान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन, 5 जून 2024 को, श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान का कलशाभिषेक और शांतिनाथ भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। 6 जून 2024 को 1008 आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आदिनाथ भगवान का विधान भक्ति भाव से आयोजित किया गया। इसमे आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य डाक्टर सरोज कुमार छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ । इस समारोह में जैन समाज के अनेक लोग उपस्थित थे। 7 जून 2024 को श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर में कल्याण मंदिर विधान का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही, 1008 आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर एवं शांतिनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक महोत्सव का कार्यक्रम आज, 6 जून 2024 को रात 11 बजे और कल शाम 4 बजे जिनवाणी चैनल पर प्रसारित किया जाएगा।

धर्म रक्षा का संकल्प जरूरी : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में जयपुर में धर्म की महती प्रभावना हो रही है । माताजी ससंघ सिद्धार्थ नगर जयपुर में विराजमान है। पूज्य माताजी की आहारचर्या करवाने का अवसर विजयलक्ष्मी जी सेठी परिवार ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी की चरण रज पाकर पूरा परिवार अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा था। पूज्य माताजी ने समाज में धर्म जाग्रति हेतु उपदेश देते हुए कहा कि - धर्म रक्षा का संकल्प करना आज के समय में अत्यंत आवश्यक है । पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते दौर में मानवीय गुणों का ह्रास होता देखा जा रहा है । इसी परिप्रेक्ष्य में प्रत्येक मानव के अंतःकरण में धर्म जाग्रति होना समय की मांग है। आज लोगों का समय काम - धंधे , घूमने - फिरने में ही बीत रहा है। धर्म का उपदेश मात्र भी उनके लिए रुचिकर नही है। इससे हमारी भारतीय संस्कृति व सभ्यता पर भी गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर भगवान शांतिनाथ की आराधना के लिए सिहोनिया में जुटे श्रद्धालु

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह।अतिशय तीर्थक्षेत्र सिहोनियां जी में श्री दिगंबर जैन प्राचीन मंदिर पर जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक दिवस बुधवार को धर्ममय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर देश भर के जैन समाज के लोग मौजूद रहे। मंदिर परिसर में प्रातः काल में शांति धारा के उपरांत विश्व कल्याण की कामना हेतु श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान से देश में सुख समृद्धि और शांति की कामना की। विधान में पंडित राजेंद्र शास्त्री और संजय जैन शास्त्री

विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने समस्त धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराईं. आयोजन में नित्य नियम पूजन, शांतिधारा के उपरांत भगवान शांतिनाथ नाथ का सामूहिक मंत्रोच्चारण के बीच 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक किया गया। तत्पश्चात भगवान के निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढाकर मंगल कामना की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के संरक्षक एवं अंबाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा कि जैन धर्म में तीर्थंकर भगवान के जन्म,तप और मोक्ष कल्याणक का विशेष महत्व है। भगवान के यह कल्याणक हमे मुक्तिपथ की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं. यह आयोजन मानव से महामानव और आत्मा से परमात्मा बनने का प्रतीकात्मक आयोजन है. जिनके जरिए धर्म और पुण्य का संचय होता है। भगवान शांतिनाथ ने चक्रवर्ती सम्राट होने के बावजूद सब कुछ त्याग कर आत्म कल्याण के मार्ग को अपनाया था। जिसके जरिए उन्होंने मोक्ष को प्राप्त कर जगत को मोह माया राग द्वेष से दूर रहने का संदेश दिया था। कमेटी के प्रमुख आशीष जैन सोनू ने कहा कि भगवान शांतिनाथ का जन्म, तप मोक्ष कल्याणक पर्व हमें संसारी विकारों से दूर रहने की शिक्षा देता है तीर्थंकर भगवान शांति के विधाता है और जगत को शांति प्रदान करते हैं इसलिए आज हम सभी एकत्रित होकर उनकी जगत शांति हेतु आराधना कर रहे हैं उन्होंने कहा कि मनुष्य की इच्छाएं अनंत है जो कभी पूर्ण नहीं होती भगवान ने दिव्य देशना में जो ज्ञान दिया था वही ज्ञान आज हमारा मार्गदर्शन कर रहा है प्रत्येक जीव में निर्वाण प्राप्त करने की योग्यता है इसलिए हमें भगवान के बताएं मार्ग पर चलना चाहिए वही कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भगवान का गुणगान कर चंबल अंचल में सुख शांति समृद्धि के साथ-साथ अच्छे मानसून की कामना की इस दौरान देशभर से पधारे लोगों के लिए निशुल्क आवास और भोजन व्यवस्था सोनू मित्र मंडल द्वारा की गई।

आचार्य विनिश्चयसागर के सान्निध्य में श्रीशिखर जी में चढ़ाया गया निर्वाण लाडू

पर्वत पर कुंदप्रभ कूट पर हुआ शांति विधान

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

श्री सम्मेद शिखरजी। जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का निर्वाण लाडू महोत्सव आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में मनाया गया। श्री सम्मेद शिखरजी पर्वत की बंदना से लौटने के पश्चात वरुण वैवरेज प्रा. लि. कंपनी के इक्जुकेटिव डायरेक्टर सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने बताया कि गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाककेशरी आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री 1008 शांतिनाथ भगवान का जन्म, तप व मोक्ष कल्याणक, भगवान शांतिनाथ की मोक्ष स्थली, सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी, कुंदप्रभ कूट पर बड़े ही धूम धाम से मनाया गया । पूज्य आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज के सानिध्य में भक्तों ने कुंदप्रभ कूट पर, भगवान शांतिनाथ के चरणों का अभिषेक एवम शांतिधारा की । सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से अष्टद्रव्य से श्री जिनेंद्र भगवान की विशेष पूजन एवम अर्चना करते हुए श्री शांति विधान का आयोजन किया । श्री 1008 शांतिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर कुंदप्रभ कूट पर काफी संख्या में भक्तों ने बड़े ही भक्तिभाव से निर्वाण लड्डु चढ़ाया । इस पावन अवसर पर दूर दूर से आए श्रद्धालू भाव विभोर होकर भक्तिभाव के साथ नृत्य कर रहे थे । सभी लोग श्री जिनेंद्र प्रभु की पूजन कर रहे थे, आनंदित हो रहे थे, भक्ति में भजन व नृत्य कर रहे थे । अंत में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ने सभी भक्तों को शुभाशीष प्रदान किया ।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान का कलशाभिषेक और शांतिनाथ भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित किया

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

108 आचार्य चेत्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 5 जून 2024 से 7 जून 2024 तक विशेष पूजा विधान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन, 5 जून 2024 को, श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान का कलशाभिषेक और शांतिनाथ भगवान को निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। 6 जून 2024 को 1008 आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आदिनाथ भगवान का विधान भक्ति भाव से आयोजित किया गया। इसमे आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य डाक्टर सरोज कुमार छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ । इस समारोह में जैन समाज के अनेक लोग उपस्थित थे। 7 जून 2024 को श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर में कल्याण मंदिर विधान का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही, 1008 आदिनाथ बाहुबली श्री दिगम्बर जैन मंदिर एवं शांतिनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक महोत्सव का कार्यक्रम आज, 6 जून 2024 को रात 11 बजे और कल शाम 4 बजे जिनवाणी चैनल पर प्रसारित किया जाएगा।

जयपुर में योगाकोन 2024

योग आसन प्रतियोगिता 15 जून को, तृतीय राष्ट्रीय योग संगोष्ठी 16 जून को

जयपुर. शाबाश इंडिया। पिछले वर्ष की अपार सफलता के उपरान्त योगाकोन 2024 योग आसन प्रतियोगिता को 15 जून 2024 सुबह 8.00 बजे से महारानी महल, रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर में किया जाएगा एवं 16 जून 2024 को तृतीय राष्ट्रीय योग संगोष्ठी मध्यान्ह 3.00 बजे से 7.00 बजे के बीच सुबोध लॉ कॉलेज, कैंपस, शिप्रा पथ,मानसरोवर जयपुर में आयोजित किया जाएगा। दोनों कार्यक्रमों का सह आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, रास्ट्रीय मुक्त विधालायी शिक्षा संस्थान, गांधी योगा एण्ड नेचुरोपैथी इंस्टिट्यूट (लाइफ मेडिकेयर हेल्पलाइन सोसाइटी) द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रायोजन जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्विधालय, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय मुक्त विधालायी शिक्षा संस्थान, गांधी योगा एण्ड नेचुरोपैथी (लाइफ मेडिकेयर हेल्पलाइन सोसाइटी) गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा एवं जगद्गुरु कार्यक्रमों में भजन लाल शर्मा मुख्यमंत्री, प्रेम चन्द बैरवा उप मुख्यमंत्री राजस्थान भी सिरकत करेंगे। इसकी जानकारी ओमप्रकाश योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं अल्टरनेटिव थेरेपी विशेषज्ञ द्वारा प्रदान की गई। राष्ट्रीय योग संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के क्षेत्र में नई उपलब्धियों पर चर्चा की जायेगी। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित भी किया जाएगा। सेमिनार में भाग लेने वाले सभी योग साधक साधिकाओं एवं प्राकृतिक चिकित्सको को राष्ट्रीय स्तर का सर्टिफिकेट प्रादान किया जाएगा। जिन लोगों ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया हो तो ऐसे सभी सम्मानीय व्यक्ति अपनी समस्त जानकारी उपलब्ध करवाए शीघ्र अतिशीघ्र उपलब्ध करवाएं। संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रतिभागी गूगल फॉर्म को भरकर 500/- रुपए जमा करा कर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। प्रतियोगिता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिभागी गूगल फॉर्म को भरकर 400/- रुपए जमा करा कर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। जो प्रतिभागी दोनों कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते है, उन्हें कुल 800/- रुपए ही कराने होंगे। जिसकी अंतिम तारीख 10 जून 2024 तक ही रहेगी। प्रतियोगिता जीतने वाले प्रतिभागी को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरुस्कार में क्रमशः रुपए 5100/-, रुपए 2100/- तथा 1100/- रुपए प्रदान किये जायेंगे। आयु समूह श्रेणी में 15 वर्ष तक, 16 वर्ष से 25 वर्ष तथा 26 वर्ष से 40 वर्ष के लिए अलग अलग प्रतियोगिता की जायेगी। सभी प्रतिभागियों आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र भी प्रदान किये जायेंगे।

वेद ज्ञान

समाज से है अस्तित्व

इंसान समाज में रहता है। इसलिए समाज ने उसके कुछ दायित्व भी तय किए हैं। मनुष्य को कभी भी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसका अस्तित्व समाज से है, समाज का उससे नहीं। जो मनुष्य समाज से अलग-थलग चलते हैं उन्हें जीवनभर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जबकि जो व्यक्ति समाज के साथ चलते हैं उनकी बड़ी समस्या भी मिनटों में हल हो जाती है। इसका कारण यही है कि सामाजिक होने के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति हमारी समस्या या चिंता का निदान खोजने की कोशिश करता है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर जनहित और लोक-कल्याण के बारे में सोचे। जब हम दूसरों के बारे में सोचकर कर्म करते हैं तो हमें इसका दोहरा लाभ मिलता है। हमें आत्मसंतुष्टि का अहसास होता है, जबकि ऐसा करके हम अपने भविष्य के कष्टों को भी कम करते हैं। हमारे जनहित के कार्य से जितने भी लोग प्रभावित-लाभान्वित होते हैं वे बदले में हमें प्यार, स्नेह, आशीर्वाद और दुआ देते हैं जिससे हमारे कष्ट अप्रभावी हो जाते हैं या फिर हममें उन्हें सहने की असीम ताकत आ जाती है। इसी तरह यदि हमसे भूतकाल में जाने-अनजाने कोई पाप या गलत कार्य हो गया हो तो भी जनहित से जुड़े कार्य करके मनुष्य पश्चाताप या मुक्ति प्राप्त कर सकता है। धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि यदि किसी मनुष्य ने अपने जीवन का तीन चौथाई हिस्सा गलत कार्यों में खर्च कर दिया है तो भी वह शेष बचे समय में सद्कर्म या जनहित के कार्य करके पश्चाताप कर सकता है। अर्थात अंत भला तो सब भला। जिस बात से मनुष्य अनजान है वह यह है कि जनहित के कार्य करने के लिए मनुष्य को केवल एक छोटा-सा प्रयास करना होता है। इसके बाद बड़े से बड़ा काम भी बहुत आसानी से हो जाता है। उदाहरण के लिए यहां पंडित मदन मोहन मालवीय का जिक्र किया जा सकता है जिन्होंने दान के पैसे से काशी जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय का निर्माण कराया। ऐसे बहुत से उदाहरण हमारे आसपास मौजूद हैं। कहने का सार यही है कि दुख-दर्द सभी के जीवन में हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने दुखों को ही सबसे बड़ा और जटिल मान लेता है उससे जनहित के कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

संपादकीय

गठबंधन की राजनीति में बेहद अलग होंगे फैसले

राजग की पिछली दो सरकारों के कामकाज के तरीके और फैसलों को लेकर अनेक आपत्तियां उठती रही हैं। नई सरकार में घटक दलों की बात सुनना जरूरी होगा। अपेक्षा की जाती है कि इस बार मंत्रिमंडल का गठन कुछ इस तरह से होगा कि उसमें घटक दलों की मांगों को समायोजित करना होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपने गठबंधन का नेता चुन लिया है। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में उन्होंने एक और कदम आगे बढ़ा दिया। दरअसल, इस बार के आम चुनाव में खंडित जनादेश मिला है। किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो सका है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा था।

भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन, राजग, को जरूरी बहुमत से कुछ अधिक सीटें प्राप्त हुई हैं, इसलिए वह सरकार बनाने का दावा पेश करने जा रहा है। चूंकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, और उसके गठबंधन के पास अस्पष्ट बहुमत है, इसलिए सरकार बनाने का दावा वाजिब है। कांग्रेस की अगुआई वाले इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने के सवाल पर संकेत दिया है कि फिलहाल वे किसी जोड़-तोड़ में नहीं जुटेंगे और सही समय का इंतजार करेंगे। इससे पहले खबरें आई थीं कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू शायद सैद्धांतिक आधार पर राजग के साथ जाने से इनकार कर दें और इसका फायदा इंडिया उठा ले। लेकिन भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन की सरकार बनने की राह स्पष्ट हो गई है। पर यह भी तय है कि इस बार भाजपा का गठबंधन के सहयोगियों के साथ वही व्यवहार नहीं रह पाएगा, जो पहले की दो सरकारों के समय देखा गया। इस बार भाजपा को अकेले दम पर बहुमत हासिल नहीं है। उसे सरकार चलाने के लिए हर समय सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा। पिछली दो सरकारों के समय भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत था, इसलिए उसे इस बात की चिंता नहीं थी कि सहयोगी दल किसी मोड़ पर उसकी बांह मरोड़ सकते हैं। इस बार वैसी निश्चिंतता नहीं रहेगी। एक तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधते हुए चलने जैसा होगा। जरा-सा भी असंतुलन खतरनाक साबित होगा। फिर, जिन दो दलों- तेलगु देसम पार्टी और जद (एकी) के पास सरकार चलाने के लिए निर्णायक सीटें हैं, उनके साथ संतुलन साधना सबसे अहम होगा। इन दोनों दलों के नेताओं यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के भाजपा के साथ सैद्धांतिक मतभेद पहले कई बार उजागर हो चुके हैं। वे बीच में भाजपा का साथ छोड़ कर अलग राह पकड़ चुके हैं। इसलिए उन्हें लेकर भरोसेमंद दावा कोई नहीं कर सकता। वे कब किस फैसले से नाराज हो जाएं, कहना मुश्किल है। ऐसे में भाजपा के लिए उनके साथ लगातार संतुलन साधते रहना होगा। राजग की पिछली दो सरकारों के कामकाज के तरीके और फैसलों को लेकर अनेक आपत्तियां उठती रही हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बदलेगी राजनीति

सच कहूं तो चुनाव परिणामों की सबसे बड़ी हेडलाइन हमें तब मिली, जब 4 जून की दोपहर वोटों की गिनती से रुझान स्पष्ट हुए और खबर आई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की है। जाहिर है, हम इस बात को और आगे ले जा सकते हैं। लेकिन पहले इन नतीजों के तीन निष्कर्षों की बात करें। पहला निष्कर्ष तो यह है कि भारतीय राजनीति 1989 के बाद के गठबंधन वाले दौर में फिर लौट आई है। दूसरा निष्कर्ष यह है कि भाजपा को शिकस्त दी जा सकती है और तीसरा यह कि करीब 100 सीटों के साथ कांग्रेस को पुनर्जीवन मिल गया है। जिन लोगों ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र मर चुका है, उनसे अनुरोध है कि जरा सुस्ता लीजिए जिन लोगों ने कहा था कि भारत के मतदाताओं का ध्रुवीकरण हो गया है, वे कृपया उन 64 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं से माफी मांगें, जो प्रचंड गर्मी में भी वोट डालने गए। इस बात पर भी गौर कीजिएकि अयोध्या (फैजाबाद) में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। एक और बात बहुत महत्वपूर्ण है। कसम खाइए कि भारतीय चुनाव व्यवस्था की साख पर आप कभी सवाल नहीं उठाएंगे चाहे यह ईवीएम हो या निर्वाचन आयोग हो या चुनाव आयुक्त हों, या इस विशाल प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, हिंसा मुक्त और विश्वसनीय तरीके से संपन्न कराने में जुटे लाखों कर्मचारी हों। भारतीय चुनाव व्यवस्था एक ग्लोबल, सर्वजन हिताय वाली व्यवस्था है। इस पर कभी हमला मत कीजिए। यकीन न हो तो मैक्सिको में हुए चुनाव को देखिए, जो भारत में हुए चुनाव के साथ-साथ कराए गए और जिसमें 37 उम्मीदवारों की हत्या की गई। भारत में किसी को चोट तक नहीं आई। और मैक्सिको की प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा भारतीय आंकड़े से चार गुना ज्यादा बड़ा है। साथ ही, बैंकरों, निवेशकों और फंड मैनेजरों से एक अनुरोध। शेयर बाजारों में होने वाली उथल-पुथल पर जरा नजर डालिए। आप सब महानुभाव उन लाखों लोगों से वादा कीजिए, जो अपनी गाढ़ी मेहनत की कमाई के साथ आप सब पर भरोसा करते हैं, कि आप अपना वोट जिस दृष्टि से देते हैं, उस दृष्टि से बाजार में अपनी पहल नहीं करेंगे। मैं मानता हूं कि राजनीतिक विश्लेषण का बड़ा आकर्षण होता है, लेकिन इसके साथ आपकी साख और आपके निवेशकों के पैसे जोखिम में रहते हैं। इसलिए इसे हम जैसों के लिए छोड़ दीजिए। हम आपकी तरह स्मार्ट नहीं हैं, लेकिन हममें वह खासियत है पर रखने वाले किसी मासूम और भावुक शख्स में नहीं होती है। वह है स्वस्थ राजनीतिक संशय वाली दृष्टि । इस चुनाव अभियान के दौरान मैंने फंड हाउसों और दलालों में सबसे भयानक और डरावनी बात देखी। उन्होंने ऐसी कई रिपोर्टें लिखीं, जिनमें भाजपा को 300 से ज्यादा सीटें मिलने के दावे किए गए। एक मतदाता के रूप में वह उनकी ख्वाहिश रही होगी। लेकिन उनकी बातों में आकर निवेश करने वाले अब इसकी कीमत चुका रहे हैं। यह नतीजे सामान्य राजनीति में वापसी के संकेत दे रहे हैं। अगली लड़ाई के लिए मैदान तैयार है। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के चुनाव होने वाले हैं। इनके ठीक बाद जम्मू-कश्मीर के चुनाव के लिए सांसें रोक कर तैयार रहिएगा, जहां की छह सीटों में से भाजपा केवल दो जीत पाई है। उपरोक्त हर चुनाव के लिए इस लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए एक खतरनाक चेतावनी है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधे लगाकर पर्यावरण पखवाड़े का आगाज किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मार्गदर्शन में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान रीजन जयपुर के अधीनस्थ सभी ग्रुप के सहयोग से जयपुर में अनेक स्थानों पर पौधे लगाए गये। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि फेडरेशन द्वारा ग्रुपों के सहयोग से इस वर्ष फेडरेशन पर्यावरण पखवाड़ा 5 जून से 19 जून तक पूरे भारत मे मनाया जाएगा जिसका आगाज आज फेडरेशन, रीजन, ग्रुप पदाधिकारी व सदस्यों ने जयपुर में पौधे रोपित कर किया। महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि इस अवसर पर रीजन के सभी पदाधिकारियों अनिल जैन आईपीएस रीजन संस्थापक अध्यक्ष, सुरेन्द्र पांड्या, रीजन परामर्शक, नवीन सेन जैन, रीजन परामर्शक, यश कमल अजमेरा, रीजन निवर्तमान अध्यक्ष, अतुल बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष, सुनील बज, रीजन कार्याध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई, रीजन कार्याध्यक्ष ने पौधे रोपण किये। रीजन कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन ने बताया कि जयपुर रीजन में जयपुर मैन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वात्सल्य, पिंक पर्ल, तीर्थंकर, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, सन्मति, विराट, अग्रसेन ग्रुप द्वारा पौधे लगा कर पखवाड़ा मनाया जाएगा।

तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान का जन्म तप और मोक्ष कल्याण श्रद्धा पूर्वक मनाया

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। नौगामा में आज 16वे तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का जन्म तप और मोक्ष कल्याण बड़ी हर्ष उल्लास के साथ मनाया 1008 भगवान आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर

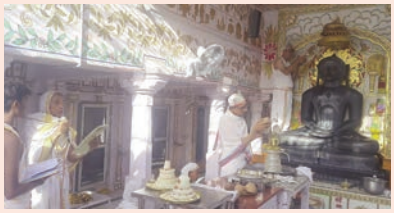

1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर, सुखोदय तीर्थ नसिया जी में विशेष शांति धारा अभिषेक बड़े भक्ति भाव पूर्वक किए गए । अभिषेक शांति धारा करने का प्रथम सौभाग्य गांधी दीपेश दिनेश चंद्र, दोसी विनोद अमृतलाल, पिंडारमिया हितार्थ प्रकाश चंद्र को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महिला मंडल हेमलता पंचोली सुषमा पंचोली द्वारा लाडू बनाया गया लाडू को बड़े भक्ति भाव से नाचते हुए वाद्य यंत्रों के मधुर स्वर लहरों के साथ संजय सुषमा पंचोरी जतिन निमित्त सुभाष चंद्र दोसी आशा जयंतीलाल को चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिव्या ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पर्यावरण मित्र पत्रिका व बीजों का भी किया वितरण

कोटा. शाबाश इंडिया। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर नेशनल यूथ अवार्डी,पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन ने गायत्री परिवार कोटा द्वारा स्मृति वन मे आयोजित कार्यक्रम मे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दिव्या ने पॉलीथिन की थैलियो से पर्यावरण को हो रहे नुकसान के विषय मे बताया तथा कहा की स्वयं को बचाने के लिए पॉलीथिन को छोड़ें व कपड़े व कागज के थेलो को उपयोग मे लें। दिव्या ने पौधारोपण व उनकी सुरक्षा का भी संदेश दिया । साथ हि पर्यावरण मित्र पत्रिका की प्रतियां व कचनार, चंदन, सितापफल , जंगल जलेबी आदि के बीज उपस्थित जन को भेंट किये ओर कहा की इनसे पौधे बनावें व उनकी सुरक्षा करें। सबने दिव्या व उसके कार्यों की सराहना की।

भारतीय संस्कृति और राष्ट्र गान की गूंज फ्रांस की सीनेट में

फ्रांस की सीनेट में पहली बार हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

जयपुर. शाबाश इंडिया

फ्रांस की सीनेट में ''भारत गौरव अवार्ड'' आयोजित हुआ जिसमें देश-विदेश की नामी हस्तियों को ''भारत गौरव अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। ''संस्कृति युवा संस्था'' द्वारा यह अवार्ड समारोह वर्ष 2012 से अनवरत जारी है। इस अवार्ड समारोह में भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, दुबई, लंदन, इटली, स्विट्जरलैंड, स्पेन, जिनेवा, पौलेंड, थाईलैंड, बैंकाक सहित कई देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेश पुरी जी महाराज ने कहा कि भारतीयों ने पुरे विश्व में भारत का नाम रौशन किया है। जब भारत को आजादी मिली थी तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक दिन विश्व पटल पर भारतीय इस प्रकार अपनी पहचान बनायेगें। आज सभी क्षेत्रों में भारतीय लोग अग्रणी भूमिका निभा रहे है और पूरे विश्व में भारतीयों की धाक बढ़ रही है। यह विचार संस्कृति युवा संस्था की ओर से पेरिस में भव्य भारत गौरव सम्मान समारोह में कहे। इस अवसर पर मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ. नरेश पुरी जी महाराज ने हनुमान चालीसा के पाठ के साथ अपना सम्बोधन प्रारम्भ किया तथा कहा कि हम सबको अपने जीवन में बालाजी का आशीर्वाद लेना चाहिए, तो निश्चित रूप से जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति होगी। इस अवसर पर महाराज ने कहा कि मैं जहां भी देश विदेश में जाता हूं तो अपने कार्यक्रम का प्रारम्भ हनुमान चालीसा से करता हूं। आज पहली बार फ्रांस की सीनेट में हनुमान चालीसा के पाठ बालाजी महाराज के आशीर्वाद से करने का

सौभाग्य मुझे मिला है। इस अवसर पर समारोह में फ्रांस की सीनेट में वाइस प्रेसिडेंट डोमिनिक थियोफाईल ने भी संबोधित किया तथा कहा कि पूरे विश्व में भारतीयों का दबदबा है और हर क्षेत्र में भारतीय कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुये संस्कृति युवा संस्था के इंटरनेशनल अध्यक्ष पं सुरेश मिश्रा ने कहा है कि हमें तय करना है कि हम अपने देश की माटी से इस प्रकार जुड़े रहें की हमारा अपनापन और भारतीयता लगातार आगे बढे। मिश्रा ने कहा है कि संस्कृति का ये 11वां आयोजन है और संस्कृति ने जयपुर मैराथन और सामाजिक जन आंदोलन और सामाजिक संचेतना का जो कार्य हाथ में ले रखा है वो अनवृत इसी प्रकार आगे बढ़ता रहेगा। मिश्रा ने कहा कि पेरिस में आकर यह सम्मान समारोह आयोजित करना हम सबके लिये गौरव की बात है। जिन विभूतियों को आज भारत गौरव अवार्ड मिला है मै उनसे यही विनती करता हूं कि वह देश के विकास के लिए युवाओं को आगे लायें। इस अवसर पर भारतीय दूतावास के अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि अब भारतीय पुरे विश्व में अपनी धाक जमा रहे है। जब भी हम भारतीयों से मिलते है तो अपनापन महसूस करते है। पेरिस की सीनेट में आकर भारत का तिरंगा लहराना अपने आप में बड़ी बात है। इस अवसर पर फिल्म निर्माता निर्देशक अन्नू कपूर, यूनाईटेड किंगडम के गुरूजी राजराजेश्वर जी, माण्ड गायिका बेगम बतूल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के फ्रांस चैप्टर के चैयरमेन अनवर हुसैन एवं संस्कृति युवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष गौरव धामाणी ने बताया कि भारतीय आध्यात्मिक गुरु पद्म भूषण दाजी कमलेश डी पटेल, भारतीय फिल्म डायरेक्टर अन्नू कपूर, पद्मश्री न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर शाह, नारी शक्ति पुरस्कार एवं भजन मांड शैली की गायिका बेगम बतूल, संस्कार टीवी के सीईओ मनोज त्यागी, आस्था टीवी चैनल के सीईओ डॉ. सतीश कुमार जैन, यूनाईटेड किंगडम के आध्यात्मिक गुरु एचएच श्री राजराजेश्वर गुरुजी, अयोध्या में राम मंदिर की पोशाक बनाकर चर्चित हुए देश के नामी फैशन डिजाइनर मनीष त्रिपाठी, अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति बनाने वाले देश के नामी मूर्तिकार अरुण योगीराज, अमेरिका में माउंट सिनाई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र मेहता, एबीपी न्यूज के एक्ज्यूटीव एडीटर इन्द्रजीत राय, पदम ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर शंकर कुलेरिया, अमेरिका फाउंडर रिलाय सर्विस के सीईओ नीलेश कोट, अमेरिका से फाईनेंशियल एजूकेटर सीनियर मार्केटिंग डायरेक्टर केवट कुमार पटेल, पेरिस में साहित्यकार डॉ. सरस्वती जोशी, साइंस कम्यूनिकेटर एवं सोशल एंटरप्रेन्योर पद्मश्री संतोष चौबे, सांवरिया एजुकेशन कंसलटेंट के फाउंडर नरेश गोयल, भोपाल से प्रसिद्ध वास्तुकार डॉ. पंकज अग्रवाल, कनाडा की चीफ साइंटिस्ट ऑफिसर प्रोफेसर डॉ. साधना जोशी, पत्रकार जगदीश शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता और गरीब बच्चो के लिये काम कर रहे सेवा आचार्य भरत नागदा, शिव नारायण ज्वैलर्स के एमडी और 10 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले तुषार अग्रवाल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजंना सिंह सेंगर, टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योर एंड सोशल वर्कर पवन कुमार अग्रवाला, इटली में रेस्टोरेंट बिजनेस में अपनी धाक जमाने वाले मोहन सिंह चौहान, फ्रांस के एंटरप्रेन्योर चमन लाल भल्ला, फ्रांस की डिप्टी मेयर ओलिविया रामौतार, ग्वाडेलोप फ्रांस के एंटरप्रेन्योर जीन यवेस, यूएस में प्रोफेसर डॉ. आशा समंत, स्विट्जरलैंड मे डायरेक्टर होम ले जेनेवियर की रामा रेड्डी, साउथ अफ्रीका मे वुमेन काउंसिल की फाउंडर, सीईओ एडवोकेट प्रिया कुमारी हसन, साउथ अफ्रीका मे लीगल एडवाइजर एडवोकेट शामला पाथेर, फ्रांस में लैंगवेज एसोसिएटस एण्ड कैनस्पीक के सीईओ भरत मेहतानी, आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु श्री रितेश्वर महाराज, सनातन संस्था के फाउंडर डॉ. जयंत अठावले, फ्रांस मे संगीतकार मथियालगन कनगरत्नम, चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष कार्य कर रही पश्चिम बंगाल से डॉ. संध्या मंडल को ''भारत गौरव'' के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर सम्मान समारोह में प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, गोल्ड मेडल व शॉल देकर प्रतिभाओं को ''भारत गौरव'' के अलंकरण से सम्मानित किया गया।

|| अहिंसा परमो धर्मः ||

ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन आचार्य धरसेन के प्रयासों से
भगवान महावीर की दिव्य देशना को आचार्य पुष्पदंत-भूतबली द्वारा
'षट् खण्डागम' ग्रन्थ के रूप में सर्वप्रथम लिपिबद्ध करने के उपलक्ष्य में

राजस्थान जैन साहित्य परिषद्, जयपुर

द्वारा आयोजित

आचार्य पुष्पदन्त-भूतबली जी को आचार्य धरसेन स्वामी जी श्रुताभ्यास कराते हुए

श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव

दिनांक 9, 10, 11 जून 2024

पावन सानिध्य

तपस्वी मुनिराज 108
श्री महिमासागर जी महाराज ससंघ

''शास्त्रों के माध्यम से हम हजारों वर्ष पुराने आचार्यों के सीधे सम्पर्क में आते हैं। हमें उनके अनुभव का लाभ मिलता है। लोकालोक का प्रत्यक्ष ज्ञान तो हमें परमात्मा बनने पर ही प्राप्त हो सकेगा, किन्तु परोक्ष रूप से वह हमें जिनवाणी द्वारा प्राप्त हो जाता है। सर्वज्ञ भगवान के इस क्षेत्र-काल में अभाव होने एवं आत्मज्ञानियों की विरलता होने से एक जिनवाणी माँ की ही शरण है।''

अतः आप सभी से विनम्र आग्रह है कि जिनवाणी माँ के प्रथम सूत्र की मंगल आरती हेतु हम सभी सपरिवार इष्ट मित्रों सहित त्रि-दिवसीय कार्यक्रम में उपस्थित रहकर पुण्य के प्रतिभागी बनें।

जिनवाणी सारथी

श्री अशोक जी, अभिनव जी
आकाश जी काला परिवार

जिनवाणी सेवक
श्री प्रेमचन्द जी, प्रमोद कुमार जी,
मनोज कुमार जी गंगवाल (हैदरी)
कीर्ति नगर, जयपुर

मांगलिक कार्यक्रम

श्रुत आराधना दिवस

ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया
रविवार, 9 जून 2024 प्रातः 7.00 बजे
श्री दि. जैन मंदिर चौबीस महाराज, मोतीसिंह भोमियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

षट्खंडागम ग्रन्थ विराजमानकर्ता
श्री विकास जी, नीरज जी जैन परिवार
श्री चौबीस महाराज मंदिर, जयपुर

विधान पुण्यार्जक एवं मंगल कलश स्थापनकर्ता
श्री चौबीस महाराज मंदिर पूजा संघ
मोतीसिंह भोमियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

मंडल कलश स्थापनकर्ता
श्री चौबीस महाराज मंदिर पूजा संघ
मोतीसिंह भोमियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

श्रुतोपदेश दिवस

ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी
सोमवार, 10 जून 2024 रात्रि 8.00 बजे
स्थान : श्री दिगम्बर जैन मंदिर,
नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर

मुख्य वक्ता- डॉ. राजीव जी जैन
पूर्व कुलपति राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
विषय - जैन दर्शन में श्रुत परम्परा
मुख्य अतिथि- श्री भागचन्द जी जैन (मित्रपुरा वाले)
अध्यक्ष-जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर
दुर्गापुरा, जयपुर
मंगल दीप प्रज्ज्वलन- श्री सुरेश जी-गीता जी सेठी
शांति नगर, जयपुर
गोष्ठी संयोजक- श्री महावीर चांदवाड़
संचालन- पं. रमेश जी गंगवाल

श्रुत वंदना महोत्सव

विशाल जिनवाणी (षट्खण्डागम ग्रन्थ) रथयात्रा

ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी, मंगलवार, 11 जून 2024 प्रातः 7.00 बजे

जिनवाणी रथयात्रा मार्ग

जिनवाणी रथयात्रा श्री दिगम्बर जैन तेरापंथी बड़ा मंदिर दड़ा बाजार घी वालों का रास्ता से प्रारम्भ होकर हल्दियों का रास्ता, ठोलियों की धर्मशाला, चौबीस महाराज का मन्दिर जौहरी बाजार, गोपाल जी का रास्ता, लालजी सांड का रास्ता व मनिहारों का रास्ता होते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित होगी। रथयात्रा में झाँकी, भजन गायक, महिला मण्डलों द्वारा भजन तथा शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता के प्रतिभागी रथयात्रा में सम्मिलित होकर चलेंगे।

शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता

निर्णायक मण्डल द्वारा घोषित प्रथम, द्वितीय, तृतीय आकर्षक पुरस्कारों के अलावा सभी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये जावेंगे। अतः अधिक से अधिक श्रावक-श्राविका व बालक-बालिकाएं, आबाल वृद्ध सभी इस प्रतियोगिता में भाग लेकर पुण्यार्जन करें। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर दड़ा बाजार, घीवालों के रास्ते से शास्त्र जी को शिरोधार्य कर रथयात्रा के साथ चलें।

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता
श्री ओमप्रकाश जी काला (मामाजी)
मुरलीपुरा, जयपुर
मंत्री-श्री दि. जैन मुनिसंघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, जयपुर

मुख्य अतिथि
श्री प्रेमचन्द जी बड़जात्या (भौंसा)
अम्बाबाड़ी, जयपुर
अध्यक्ष-प्रबंधकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी महावीर पार्क, मनिहारों का रास्ता, जयपुर

सभा अध्यक्षता
श्री पूनमचन्द जी-श्रीमती कनक जी,
अभिषेक जी बैनाड़ा
स्वीट हाऊस, मनिहारों का रास्ता, जयपुर

शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता पुरस्कार प्रदानकर्ता
श्री रमेश कुमार जी-सुनीता देवी जी,
लोकेन्द्र जी-सोनिका जी, योगेन्द्र जी-आयुषी जी,
रिधान गंगवाल परिवार
मनिहारों का रास्ता, जयपुर

शोभायात्रा में सम्मिलित बालक-बालिकाओं को पुरस्कार प्रदाता
डॉ. विमल कुमार जी-माधुरी जी जैन
अंकित जी-शिवा जैन
पूर्विका जैन परिवार
1137, संघी जी का रास्ता, मनिहारों का रास्ता, जयपुर

धर्मध्वज धारक
1. श्री लोकेन्द्र जी गंगवाल
2. श्री विशान्त जी जैन
3. श्री सार्थक जी शाह
4. सुश्री दिवी जी जैन

चंवर धारक
1. आत्मिक जैन
2. पृथ्वी सौगाणी
2. रिधान गंगवाल

विनीत :

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	संयुक्त मंत्री	अर्थ मंत्री
डॉ. विमल कुमार जैन शास्त्री (प्रतिष्ठाचार्य)	सुदर्शन कुमार पाटनी	हीराचन्द बैद	रमेश कुमार गंगवाल	नरेन्द्र कुमार ठोलिया
मो. 9414460694	मो. 9928612030	मो. 9828164556	मो. 9414409133	मो. 7413002053

संरक्षक : डॉ. प्रेमचन्द रांवका, महेश चांदवाड़, शांतिलाल गंगवाल

कार्यकारिणी सदस्य : ⁕ महावीर कुमार चाँदवाड़ ⁕ पदमचन्द बिलाला, कैलाशचन्द विन्दायका, प्रद्युम्न कुमार पाटनी, ताराचंद रांवका, योगेश टोडरका
विशेष आमंत्रित सदस्य- सुभाष चौधरी, कैलाश चन्द्र गोधा, नवीन कुमार बिल्टीवाला, विपिन कुमार बज, डॉ. निर्मल जैन सौगाणी, राजेश कुमार बड़जात्या

श्रुत पंचमी महामंगल महोत्सव संयोजक : पं. रमेश कुमार गंगवाल ⁕ सह संयोजक - पदमचंद बिलाला, योगेश टोडरका, प्रद्युम्न कुमार पाटनी

राजस्थान जैन साहित्य परिषद्, जयपुर

नोट-जिनवाणी रथयात्रा आपके घर के नजदीक से निकलती है तो मंगल आरती करके पुण्यार्जन अवश्य करें।

आशीर्वाद वृद्धाश्रम के वृद्धों ने किया पौधारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रताप नगर, हल्दी घाटी मार्ग स्थित आशीर्वाद वृद्धा आश्रम में पौधारोपण किया गया। जिसमे 21 विभिन्न किस्मों के पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का प्रण लिया गया। संस्था के अध्यक्ष धीरज शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा समय समय पर समाज सेवा के कार्य किये जाते हैं। इस अवसर पर मुकेश अरोड़ा आरयूएचएस प्रताप नगर, हरिओम चौधरी गो सेवा रक्षक दल जयपुर, योगेंद्र शर्मा एवँ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वृद्धाआश्रम में जीवन यापन कर रहे बुजुर्गों ने अपने हाथो से पौधा रोपण किया एवं लोगो को पौधा रोपण.करने के लिए प्रेरित किया। अंत में संस्था के अध्यक्ष धीरज शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

।। श्री गणेशाय नमः ।।

शुभारम्भ

श्री खण्डेलवाल वैश्य जन सेवा ट्रस्ट

द्वारा संचालित

+ खण्डेलवाल चैरिटेबल फिजियोथेरेपी सेन्टर +

एवं

खण्डेलवाल धर्मार्थ सर्जिकल उपकरण सेवा केन्द्र

श्री श्री 1008 श्री बाल मुकुन्दाचार्य जी महाराज (विधायक)
के कर कमलो द्वारा शुभारम्भ पर आप सादर आमंत्रित है।

-:कार्यक्रम:-

9 जून 2024 रविवार, प्रातः 9:30 बजे

स्थान:- 185, हीरा नगर, DCM अजमेर रोड़, जयपुर

निवेदक

सुभाष गुप्ता (आजीवन मैनेजिंग ट्रस्टी)
कृष्ण मोहन खण्डेलवाल (संचालक मण्डल सदस्य)
सी. पी. गुप्ता (अध्यक्ष)
सतीश कुमार गुप्ता (वरिष्ठ उपाध्यक्ष)
ललित प्रसाद खण्डेलवाल (उपाध्यक्ष)
डॉ. महेश चन्द्र गुप्ता (उपाध्यक्ष)
दिनेश कुमार गुप्ता (महामंत्री)
महेश माचीवाल (मंत्री)
रमेश खण्डेलवाल (कोषाध्यक्ष)
श्याम मोहन कट्टा (संयुक्त मंत्री)

-:कार्यकारिणी सदस्य:-

विष्णु कुमार गुप्ता, राधा कृष्ण आकड, शिव भगवान गुप्ता, सुबोध कुमार गुप्ता, ओम प्रकाश बुसर, मुकेश मामोडिया, अनिल कुमार गुप्ता

सदस्य

राजेश खण्डेलवाल, माणक चन्द खण्डेलवाल, कुंज विहारी गुप्ता, तथागत खण्डलेवाल

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

जो हमें बहुत खूबसूरत नजर आ रही है...
वो राहें तबाही के घर जा रही है..!

जिस दिशा में तुम जा रहे हो, वो लक्ष्य विहिन दिशा है। इसलिए सुबह-सुबह रोज इस बात पर चिन्तन करो कि मनुष्य जीवन पाकर हमें क्या खोना और क्या पाना है?

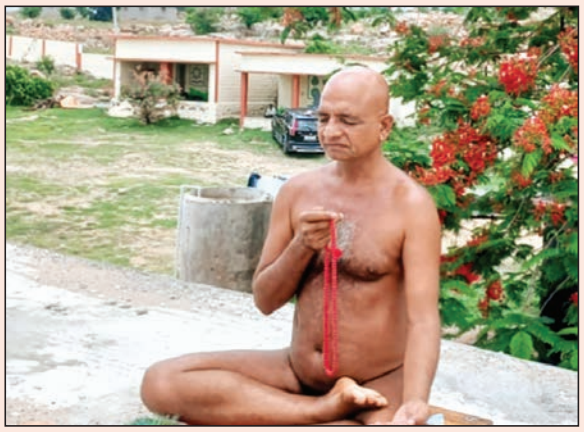

पत्नी बच्चे और परिवार के लिए तो सभी कुछ न कुछ करते हैं, कर रहे हैं। मगर इससे तुम्हारे निजी जीवन का, आध्यात्मिक जीवन का, कोई ताल्लुक नहीं है। यह कार्य तो तुम्हारे पिताजी ने भी किया था। इसलिए आप कर रहे हैं। यह सब ऋण है जो तुम उतार रहे हो। जीवन में एक्सचेंज (अदला-बदली) होना ही चाहिए। इन सबके बावजूद एक काम ऐसा करना चाहिए, जो तुम्हारे स्वयं के लिए हो, तुम्हारे अपने लिए हो, तुम्हारी अपनी आत्मा की सुख शांति के लिए, और वह काम क्या हो सकता है-? यही कि तुम सुबह-सुबह दो घड़ी का, सामायिक, ध्यान किया करो। प्रार्थना और प्रभु स्मरण किया करो। स्वाध्याय और दान किया करो, और सत्संग किया करो। अगर तुमसे इतना भी हो गया, तो समझना तुम्हारा बेड़ा पार हो गया। तुम तर सकते हो। तुम्हारा अगला जीवन इस जीवन से भी बेहतर हो सकता है। और यदि साठ घड़ी में से दो घड़ी यानि 48 मिनट ध्यान ना दिया तो फिर तो यही कहना पड़ेगा-मनुष्य जीवन पाकर, दिल के अरमां आंसुओं में बह गए...।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चैतन्य संस्कार शिविरः झूठा नहीं छोड़ने का लिया संकल्प

उदयपुर. शाबाश इंडिया

हिरण मगरी , सेक्टर -3 , श्री शांतिनाथ दिगंबर मंदिर सेक्टर - 3 में आज चैतन्य संस्कार शिविर का दूसरे दिन का शुभारंभ जिनेन्द्र प्रभू के प्रक्षाल से हुआ । इस अवसर पर बालकों व युवा वर्ग द्वारा प्रक्षाल किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल अखावत ने बताया कि समयसार मंडल विधान पं. महावीर प्रसाद शास्त्री ,गजेन्द्र शास्त्री , हितंकर शास्त्री द्वारा भक्ति भाव पूर्वक कराया गया । तत्पश्चात बाल वर्ग किशोर वर्ग और युवा वर्ग की अलग-अलग कक्षाएं प्रारंभ हुई । जिसमें बाल वर्ग की कक्षा निपेक्षा जैन , किशोर वर्ग की कक्षा पंडित हितंकर शास्त्री द्वारा ली गई । बच्चों को अनेक रोचक गेम खेलाएँ गये। कहानियाँ सुनाई व देवागम स्त्रोत्र को समझाया ।युवा वर्ग की कक्षा पंडित डॉ. जिनेन्द्र जी शास्त्री द्वारा ली गई ।जिसमें हम कैसे जैन पर प्रकाश डाला ।उन्होंने बताया कि जैन धर्म में हम अपने जैनत्व की कैसे रक्षा कर सकते है। सभी लोगों से झूठा नहीं छोड़ने का संकल्प लिवाया। तत्पश्चात को अल्पाहार कराया गया । सायं काल जिनेंद्र भक्ति का आयोजन किया गया । बाल कक्षा , किशोर का आयोजन हुआ । सत्पुरुष श्री कानजी स्वामी का सीडी प्रवचन और रात्रि में पंडित महावीर प्रसाद शास्त्री द्वारा युवा वर्ग की कक्षा ली गई ।जिसमें देवदर्शन क्यों' ,कैसे व देव दर्शन की महिमा पर प्रकाश डाला । मंदिर में घंटे की उपयोगिता तथा घंटा बजाते व्यक्त क्या बोलना आदि की जानकारी दी ।

जैन धर्म के दूसरे तीर्थकर अजित नाथ भगवान का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के दूसरे तीर्थंकर अजित नाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्री जी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई तथा कार्यक्रम में सामूहिक रूप से श्रीजी की महाशांति धारा की गई तथा जैन धर्म के0दूसरे तीर्थंकर अजित नाथ भगवान का जयकारों के गर्भ कल्याणक का अर्घ्य अर्पित कर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूरचंद मांदी वाले, सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,महावीर जैन लदाना,सुरेश मांदी, शिखर मोदी,सुरेश डेठानी, धर्मचंद पीपलू, कन्हैयालाल सिंघल,सीताराम कलवाड़ा,पारस नला, मोहनलाल सिंघल,महेंद्र कुमार बावड़ी, रमेशबावड़ी , टीकम गिंदोडी, अनिल कुमार कठमाना, अशोक कागला पारस मोदी , सुनील मोदी, सुशील कलवाड़ा, विनोद मोदी,दीपक मोदी, त्रिलोक पीपलू, राजकुमार नला ,कमलेश चोधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे। -राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान

पौधारोपण कर मनाया गया पर्यावरण दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के तलवाड़ा रोड स्थित आध्यात्मिक केंद्र मानसरोवर ट्रस्ट में विश्व पर्यावरण दिवस ट्रस्ट परिसर में पौधरोपण कर मनाया गया उपस्थित साध संगत को संबोधित करते हुए शाह साहिब जी ने बताया की मां साहिब जी की कृपा से मानसरोवर ट्रस्ट के सेवादार आध्यात्मिकता के साथ साथ सामाजिक कार्य में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं प्रकृति हमारी मां है इसका संरक्षण करना हम सभी के जिम्मेदारी है पेड़ पौधे वातावरण को दूषित होने से बचाते हैं हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए विशेष रूप से पीपल ,बरगद,नीम जो की ऑक्सीजन के प्रचुर भंडार हैं विश्व पर्यावरण दिवस हर वर्ष 5 जून को मनाया जाता है पर्यावरण दिवस 2024 की थीम हमारी भुमि हमारा भविष्य है जिसके तहत धरती पर जल की उपलब्धता के सही ढंग से प्रयोग न करने की वजह से पृथ्वी का जलस्तर निरंतर घट रहा है और सूखे की समस्या आ रही है एक अनुमान के अनुसार सन- 2050 तक दुनिया की 3/4 से अधिक आबादी सुखे से प्रभावित हो जाएगी जिसका एकमात्र उपाय पौधारोपण व संरक्षण है उन्होंने बताया कि मानसरोवर ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर सामाजिक कार्य रक्त दान कैम्प ,निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैम्प ,पौधारोपण, शीतल जल छबील ,पंछियों के लिए सकोरे,स्वच्छता अभियान व शहरवासियों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु निशुल्क योग व मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया जाता है।

जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज का मनाया समाधि दिवस

धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में हुए अनेक आयोजन

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में सकल जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में दूसरे दिन जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा पंडित विद्वत अंकित जैन के दिशा निर्देश मे अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में धर्म की शिक्षा के साथ साथ बच्चे डांस भी सिख रहे। कर्तव्योदय शिविर में बच्चों को योग शिक्षा भी सिखाई जा रही है, आज प्रातः सत्येंद्र झण्डा, त्रिलोक जैन , नीरज झंडा के दिशा निर्देशन में योग के बाद सभी विद्यार्थियों ने विद्वत अंकित जी शास्त्री के निर्देशन में नित्य, अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन की,साथ ही महाकवि आचार्य श्री ज्ञान सागर की महाराज का 52 वां समाधि दिवस मनाया, कार्यक्रम में पाठशाला की अध्यापिकाऐं रेखा झंडा, रानी नला, अंजू जैन मोदी, मीनाक्षी मांदी ,प्रीति कलवाड़ा ,ललित बजाज शिविर में सहभागिता निभाते हुए सहयोग दे रही है। पाठशाला के कोडीर्नेटर निखिल जैन लावा ने बताया कि दोपहर में सुश्री गरिमा जैन केकड़ी द्वारा बच्चो को डांस भी सिखाया जा रहा है। धार्मिक कक्षा में पंडित जी बताया कि गुरुओं से कुछ भी प्राप्त करने के लिए उनकी विनय करना अति आवश्यक है। बिना विनय के (आदर के) हमारे अंदर बुद्धि की वृद्धि तो हो जायेगी लेकिन ज्ञान और गुणों की वृद्धि नही होगी। **-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान**

वृक्ष हमें जीवन दायिनी आक्सीजन प्रदान करते हैं हम भी इनकी देखरेख करें: कलेक्टर द्विवेदी

आचार्य श्री के पचास वे आचार्य पद वर्ष में किया वृक्षारोपण, विश्व पर्यावरण दिवस पर जैन समाज ने किया वृक्षारोपण

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस पर संत शिरोमणि आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज के पचास वे आचार्य पद वर्ष पर श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित संत विहार में जिला कलेक्टर सुभाष द्विवेदी जिला पंचायत सी ई ओ डां नेहा जैन एस डी ओ पी विवेक शर्मा के विशिष्ट अतिथि में किया गया। समारोह के प्रारंभ में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कलेक्टर सुभाष चन्द्र द्विवेदी जिला पंचायत सी ई ओ डां नेहा जैन एस डी ओ पी विवेक शर्मा समाज के महामंत्री राकेश अमरोद उपाध्यक्ष प्रदीप तारई कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य मिडिया प्रभारी अरविंद कचनार थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई गोशाला कमेटी अध्यक्ष दिनेश मैदपुर गौसेवक सोनू गइया मनीष सिघई महेश घमंडी नवीन जैन मनोज भैसरवास ने सहभागिता कर तिथियों का सत्कार किया।

आचार्य श्री का एक एक प्रवचन देश के लिए हैं : विजय धुर्रा

समारोह का संचालन करते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस को हम आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आचार्य पद वर्ष में वृक्षारोपण की शुरूआत करने जा रहे हैं उन्होंने अपना पूरा जीवन प्रकृति को समर्पित कर दिया उनका एक एक सन्देश देश हित के लिए ही था थूवोनजी कमेटी महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि आचार्य भगवंत ने हमें प्रेरणा दी थूवोनजी को हरा-भरा बनाने के लिए वहां हमने पांच छः हजार टाली मिट्टी डालकर उस तीर्थ को हरा-भरा बनाने में लगे हैं।

श्रीमती पुष्पा जैन डिग्गीवाल परिवार ने श्री दिगंबर जैन औषधालय जयपुर को एक माह की दवा के लिए सहयोग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन औषधालय जयपुर के द्वारा तीन औषधि केंद्रो का संचालन किया जाता है जिसमें सबसे पुराना दिगंबर जैन औषधालय बोरडी का रास्ता जयपुर , जनकपुरी तथा रामगढ़ मोड़ पर अवस्थित है। इन तीनों चिकित्सालय में योग्य उपचारको व वैद्यों के द्वारा मरीजों की सेवा सुश्रुषा की जाती है। यह तीनों औषधालय निशुल्क औषधि प्रदान करते हैं तथा उचित उपचार से प्रतिदिन 100-100 लोगों का इलाज किया जाता है। इसी क्रम में श्रीमती पुष्प जैन डिग्गी वाला परिवार ने अपने पति स्वर्गीय पवन कुमार डिग्गी वालों की तृतीय पूण्य स्मृति के क्रम में माह जून की औषधि वितरण के हेतु औषधालय को 51000 रुपए की राशि भेंट की है। आज उनके निवास स्थान पर औषधालय के अध्यक्ष निहाल चंद सौंगानी,मंत्री महावीर कुमार जैन झाग वाले, चेतन कुमार जैन व वैद्यराज उपस्थित होकर परिवार जनों का सम्मान किया वहां पर वैद्यराज ने श्रीमती पुष्पा जी व उनके परिवार जनों का नाडी देखकर उपचार भी किया। प्रबंध कार्यकारणी श्रीमती पुष्पा जैन एवं डिग्गी वाला परिवार का हृदय से आभार प्रकट करती है तथा उनके पुण्य की अनुमोदना करती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के सदस्यों ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेड,पौधे लगाये। अधिकांश बुजुर्ग सदस्यों ने घरों पर आम,नीम,अशोक,जामुन,हार श्रंगार, ऐलोविरा, तुलसी,बीलपत्र आदि के पेड-पौधे लगाये।सभी सदस्यों ने इस कार्य को प्राथमिकता पर किया।फेडरेशन इन्दौर के संचालक मंडल के सदस्य डां मनीष-डां अलका जैन ने यह कार्य अपने स्कूल ऐम्बीशन किड्स ऐकेडमिक परिसर,श्योपुर रोड पर स्कूल के

बच्चों के साथ किया। सभी बच्चों ने पौधे लगाये। ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि'-डां शान्ति जैन मणि ने भी अशोक व बिलपत्र का वृक्ष लगाया ।सचिव सुरेश-आभा गंगवाल ने भी पौधे लगाये। वयोवृद्ध श्रीमति मोहिनी देवी ने अस्वस्थ होने के बावजूद भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुये 85वर्ष की आयु में भी पौधारोपण कर कई पौधे लगाये।तीर्थंकर ग्रुप के सभी सदस्य 60 से90वर्ष की आयु के होने के बावजूद भी इस राष्ट्रीय कार्य को करना नहीं भूले व आगे भी इनकी देखभाल व संगरश्रण का संकल्प लिया। ग्रुप अध्यक्ष डा मणि ने सभी सदस्यों का आह्वान किया व कहा कि सभी सदस्यौं को कमसेकम एक पेड अवश्य लगाना चाहिए व उसके संगरश्रण का दायित्व भी उठाना होगा,इससे पर्यावरण शुद्ध होगा व बढते तापमान पर रोक लगेगी। कोषाध्यक्ष पारस लुहाडिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बोर्ड की परीक्षाओं में श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका उ. मा. विद्यालय की छात्राओं का उत्कृष्ट रहा परीक्षा परिणाम

जयपुर. शाबाश इंडिया

विगत में राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा कक्षा 12, कक्षा 10, कक्षा 8 व कक्षा 5 के घोषित वार्षिक परीक्षा परिणामों मे प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका उ.मा. विद्यालय, चैरूकों का रास्ता, जयपुर का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 12 (वाणिज्य), की 9 छात्राओं में से 7 छात्रायें तथा कक्षा 10 की 9 छात्रायें प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण हुई विद्यालय की अनेकानेक छात्राओं ने अपनी विषिष्ट योग्यता प्रदर्षित करते हुये गार्गी पुरस्कार योग्य अंक प्राप्त किये। यह विषेष उल्लेखनीय है कि कक्षा-5 की 16 छात्राओं में से 8 छात्राओं व 1 छात्र ने प्रत्येक विषय में । श्रेणी (91: से 100:) अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार कक्षा 8 की अनेक छात्राओं ने भी प्रत्येक विषय में श्रेणी अंक अर्जित किये जो एक बड़ी उपलब्धि है। संस्था के मंत्री रिटायर्ड आईजी राजस्थान श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की संस्थापना 1894 अर्थात आज से 130 वर्ष पूर्व (देष की स्वतंत्रता प्रगति के 63 वर्ष पूर्व) हुई थी। राज्य सरकार का राज्य की निजी शैक्षणिक संस्थाओं का अनुदान मार्च 2012 से बंद कर देने के कारण आर्थिक कठिनाईयों से जूझते इस प्राचीन हेरिटेज विद्यालय की जयपुर शहर में फीस न्यूनतम किन्तु परीक्षा परिणाम सदा उत्कृष्ट रहते है। विद्यालय की प्रगति में समाज के दानदाताओं का उल्लेखनीय आर्थिक योगदान रहता है। गत 12 वर्षो से विद्यालय की बोर्ड परीक्षा की छात्राओं को अग्रेंजी भाषा का ज्ञान वी.के.गोदीका, रिटायर्ड(से.नि.महानिरीक्षक पुलिस), जो विद्यालय प्रबन्ध कारिणी समिति के मंत्री है, द्वारा निशु ल्क प्रदान किया जाता है।

पर्यावरण दिवस पर जैन मंदिर परिसर में लगाए पौधे

जयपुर. शाबाश इंडिया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने हेतु महल योजना जैन मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मैना जैन के अनुसार इस मौके पर पूरे वर्ष पर्यावरण को बचाने के लिए मुहिम जारी रखने का संकल्प लिया गया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा ने बताया कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के प्रति पूर्णतया निर्भर होते हैं । इसको संरक्षित करना हम सब का कर्तव्य है। संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की अध्यक्ष अम्बिका सेठी ने सभी का स्वागत किया। सचिव रेखा पाटनी ने आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। इस मौके पर नेहा, श्वेता ,डॉ. प्रीति जैन, पिंकल जैन सहित बड़ी संख्या में संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं ने सहभागिता निभाई ।

''ग्रैंड मा एंड ग्रैंड पा पेजेंट, सीजन -2'' का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के अक्स फाउंडेशन, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप विराट एवं शेल्बी हॉस्पिटल के सहयोग से ''ग्रैंड मा एंड ग्रैंड पा पेजेंट, सीजन -2'' का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता होटल रॉयल आर्किड , टोंक रोड पर में रखी गयी थी। इस अवसर पर अक्स फाउंडेशन की फाउंडर अनीता माथुर ने बताया कि यह प्रतियोगिता 55 वर्ष से ऊपर आयु के दादा-दादी, नाना-नानी, के लिए रखी गई थी। प्रतियोगिता में इन सभी को रैंप वाक का अवसर दिया गया। हेल्थ टॉक के दौरान डॉक्टर्स की टीम ने जोड़ो के प्रत्यारोपण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम अक्स फाउंडेशन की फाउंडर अनिता माथुर ,अध्यक्षा श्रीमती सुशील कुमारी और विराट ग्रुप के अध्यक्ष बसंत जैन,सचिव स्वाग्रही माओ के निर्देशन में किया गया था। इस पीजेंट के विजेता रहीं कुसुम जोशी, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर मीना श्रीवास्तव और राज वर्मा जी रहीं। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट की सचिव स्वाग्रही माओ ने बताया कि इस कार्यक्रम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल अजमेरा , राजस्थान रिजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ,महासचिव निर्मल सांघी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के संस्थापक अध्यक्ष राकेश जैन गोदीका, विराट की सदस्य ममता शाह, मनोज शाह, पवन बज आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन सभी का माला, दुपट्टा पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त बृजेश कुमार चादोलिया ने भगवान महावीर स्वामी जी के दर्शन कर की खुशहाली की कामना

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्रीमहावीरजी एक दिवसीय जिले के दौरे पर आए भरतपुर संभाग के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त बृजेश कुमार चादोलिया ने गुरुवार को अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी स्थित भगवान महावीर स्वामी जी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक प्रवीण कुमार जैन एवं विशेष अधिकारी विकास कुमार पाटनी ने बताया कि गुरुवार को संभाग के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने भगवान महावीर स्वामी की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर ध्यान केंद्र आदि के दर्शन किए एवं श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र के बारे में विस्तार से जानकारी ली। दर्शन के पश्चात मुख्य मंदिर में धर्म चर्चा की। इस मौके पर संभागीय आयुक्त का मंदिर कमेटी की ओर से कमेटी के व्यवस्थापक प्रवीण कुमार जैन विशेष अधिकारी विकास कुमार पाटनी आदि ने केसर का तिलक लगा, साफा शाल ओढ़ाकर भगवान महावीर स्वामी जी की तस्वीर भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त संभाग आयुक्त ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज सर्वधर्म समभाव के क्षेत्र श्री महावीरजी आकर भगवान महावीर स्वामी जी से देश व प्रदेश में अमन चैन की कामना की। इस मौके पर अतिरिक्त सहायक प्रशासनिक अधिकारी मुकेश कुमार श्री महावीर जी तहसीलदार दुर्गा लाल मेघवंशी सहायक विकास अधिकारी ज्ञान सिंह जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

हृदय-रोगी के लिये योग

आज के समय मे स्वास्थ्य के लिये योग को एक उत्तम विधि माना गया है। इसका कारण है कि योग सरल व सुरक्षित है। इस क्रिया को सभी व्यक्ति अपनी शारीरिक अवस्था के अनुसार कर सकते हैं। योगाभ्यास मे आसन व प्राणायाम हृदय को स्वस्थ रखने मे सहायक होते हैं। लेकिन क्या हृदय-रोगी के लिये योग लाभदायी है? क्या ऐसे व्यक्तियों को योगाभ्यास करना चाहिए? यदि हां, तो उनको किन सावधानियों को ध्यान मे रखना चाहिए? ये सब प्रस्तुत लेख मे बताया जाएगा।

विषय सूची:-

हृदय रोग की 'आरम्भिक अवस्था' मे योग।
हृदय रोग की गम्भीर अवस्था में योग।

हृदय रोग में योगाभ्यास

योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ रखने की एक उत्तम विधि है। इस क्रिया मे 'आसन' शरीर के अंगों को सक्रिय रखते हैं तथा रक्त-संचार को व्यवस्थित करते हैं। 'प्राणायाम' श्वसनतंत्र को सुदृढ करते है और रक्तचाप को सन्तुलित बनाए रखते हैं। नियमित योगाभ्यास स्वस्थ व्यक्ति को हृदय रोग से बचाए रखने मे सहायक होता है लेकिन एक हृदय रोगी को योगाभ्यास कुछ सावधानियों के साथ करना चहिए।

<u>हृदय रोग से प्रभावित व्यक्ति योगाभ्यास कैसे करें, यह समझने के लिये लेख को दो श्रेणियों मे विभाजित करना होगा :-</u>

1. आरम्भिक रोगी
2. गम्भीर रोगी

आइए इसको विस्तार से समझ लेते हैं।

1. हृदय रोग की आरम्भिक अवस्था में योग :

यदि हृदय रोग की आरम्भिक अवस्था है तो आसन-प्राणायाम सरलता से करें। कम अवधि की क्रिया करें। चिकित्सक की सलाह से अभ्यास करें। चिकित्सक द्वारा बताई गई औषधी का सेवन करते रहें। संतुलित आहार लें।

आसन - रोग की आरम्भिक अवस्था में :

हृदय रोग की आरम्भिक स्थित मे अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार आसन किये जाने चाहिएं। आसन करते समय इन **<u>सावधानियों को ध्यान मे रखें :-</u>**

* सरल आसन करें।
* तनाव वाले आसन न करें।
* रक्तचाप की वृद्धि करने वाले तथा तीव्र गति वाले आसन न करें।
* चिकित्सक की सलाह के बिना कोई क्रिया न करें।

सरल आसन :

रोग की आरम्भिक अवस्था मे सरलता से किये जाने वाले आसनः-

* ताड़ आसन
* सूर्य नमस्कार
* त्रिकोण आसन
* तितली आसन
* वज्रासन।
* मकर आसन
* शवासन

<u>हृदय रोगी के लिये वर्जित आसन :</u>

हृदय रोग से प्रभावित व्यक्ति के लिये कुछ आसन वर्जित हैं। इन आसनों को नही किया जाना चाहिए। यदि आरम्भिक रोगी इन आसनों करना चाहते हैं, तो किसी योग विशेषज्ञ के निर्देशन मे करें, कम मात्रा मे करें तथा अपने चिकित्सक की सलाह से करें। गम्भीर रोगी को ये आसन नही करने चाहिएं :-

* शीर्षासन
* सर्वांग आसन
* हलासन
* चक्रासन

<u>प्राणायाम - रोग की आरम्भिक अवस्था में :</u>

प्राणायाम एक लाभदायी क्रिया है। नियमित प्राणायाम एक स्वस्थ व्यक्ति को हृदय रोग से बचाये रखने मे सहायक होते है। लेकिन हृदय-रोगी इन सावधानियों को ध्यान मे रखें :-

* अपने श्वासों की स्थिति के अनुसार प्राणायाम करें।
* अपनी क्षमता से अधिक अभ्यास न करें।
* तीव्र गति वाले प्राणायाम, रक्तचाप बढाने वाले प्राणायाम न करें।
* सरल प्राणायाम करें। कम आवर्तियां करें।

श्वास की स्थिति ठीक नही है, तो *कुम्भक का प्रयोग न करें।

* चिकित्सक की सलाह ले कर प्राणायाम करें।
* चिकित्सक द्वारा बताई गई औषधि का सेवन अवश्य करें।

(*कुम्भक :- श्वास को अन्दर या बाहर कुछ देर रोकना कुम्भक कहा गया है।)

<u>सरल प्राणायाम :</u>

सरलता से किये जाने वाले प्राणायाम :-

* श्वास-प्रश्वास (लम्बे-गहरे श्वास लेना व छोड़ना)।
* कपालभाति (धीमी गति से)।
* अनुलोम विलोम प्राणायाम।
* भ्रामरी प्राणायाम।

<u>वर्जित प्राणायाम :</u>

कुछ प्राणायाम रक्तचाप की वृद्धि करने वाले होते हैं। अतः ये क्रियाएं हृदय रोग प्रभावित व्यक्ति के लिये वर्जित हैं। गम्भीर रोगी इन क्रियाओं को न करें :-

* भस्त्रिका प्राणायाम,
* सूर्यभेदी प्राणायाम,
* कपालभाति (तीव्र गति)
* कुम्भक,

<u>यदि आरम्भिक रोगी इन क्रियाओं को करना चाहते हैं, तो इन बातों को ध्यान मे रखें :-</u>

* योग प्रशिक्षक के निर्देशन मे अभ्यास करें।
* चिकित्सक की सलाह के बिना अभ्यास न करें।
* धीमी गति से अभ्यास करें।
* कम आवर्तियां करें।

<u>2. हृदय रोग की गम्भीर अवस्था में योग:</u>

यदि हृदय रोग की गम्भीर स्थिति है तो योगाभ्यास नही करना चाहिए। गम्भीर रोगी चिकित्सक की सलाह ले। सरल क्रियाएं करें।

<u>गम्भीर रोगी के लिये आसन :</u>

गम्भीर रोगी के लिये योगासन वर्जित हैं। ऐसे व्यक्ति के सूक्ष्म क्रियाएं करें।

* हृदय के गम्भीर रोगी योगासन न करें।
* सूक्ष्म आसन करें। (खड़े होकर या बैठ कर हाथ -पैरों तथा जोड़ों की मूवमेंट करना सूक्ष्म आसन कहे गये हैं।)
* धीरे-धीरे पैदल टहलना उत्तम है।

* टहलने या सूक्ष्म आसन के बाद लेट कर कुछ देर विश्राम करें।

<u>गम्भीर रोगी के लिये प्राणायाम:</u>

हृदय के गम्भीर रोगी के लिये प्राणायाम वर्जित हैं। अतः प्राणायाम का अभ्यास न करें। चिकित्सक की अनुमति से ये श्वसन अभ्यास करें :-

* श्वास-प्रश्वास :- दोनो नासिकाओं से लम्बा-गहरा श्वास भरें और खाली करें। यह क्रिया तीन-चार श्वासों मे या अपनी अवश्यकता अनुसार करें।
* अनुलोम विलोम :- बांई नासिका से श्वास भरें और दांई तरफ से श्वास को बाहर छोड़ें। दांए से श्वास भरके बांई तरफ से श्वास को खाली करें। यह एक आवर्ती (चक्र) हुई। अवश्यकता व क्षमता अनुसार अन्य आवर्तियां करें।

<u>सामान्य निर्देश:</u> योगाभ्यास स्वस्थ व्यक्तियों के लिये है। योगाभ्यास हृदय रोगों से बचाए रखने मे सहायक होता है। लेकिन रोग से प्रभावित व्यक्तियों को इन निर्देशों का पालन करना चाहिए:-

1. चिकित्सक द्वारा बताई गई औषधि को लेते रहें।
2. संतुलित आहार लें।
3. योग क्रिया अपनी क्षमता से अधिक न करें।
4. प्रशिक्षक के निर्देशन मे अभ्यास करें।
5. चिकित्सक से सलाह लेते रहें।

सारांश : योग हृदय के लिए एक लाभदायी क्रिया है। लेकिन इस रोग से प्रभावित व्यक्ति इन क्रियाओं को सावधानी से करें। असावधानी से किया गया अभ्यास हानिकारक हो सकता है।

नोटः यह लेख किसी प्रकार के रोग का उपचार करने का दावा नही करता है। इस लेख का उद्देश्य योग की लाभ-हानि व सावधानियों की जानकारी देना है। कोई भी योग क्रिया करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह अवश्य लें। गम्भीर रोगी तथा अधिक वृद्ध व्यक्ति योगाभ्यास न करें।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

महाराजा गंगा सिंह विवि का अष्टम दीक्षांत समारोह आज

राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में होगा आयोजन

बीकानेर. कासं

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय का अष्ठम दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को विश्वविद्यालय के संत मीरा बाई सभागार में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने बताया कि इस दिन विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह भी राज्यपाल की उपस्थिति में मनाया जाएगा। दीक्षान्त एवं स्थापना दिवस समारोह को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक तैयारियां की गई हैं। परिसर को झण्डों एवं रंगीन रोशनी के माध्यम से सजाया गया है। यह झंडे विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्राप्त 300 से अधिक महाविद्यालयों से मंगवाए गए हैं। **एक लाख 26 हजार 880 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां:** कुलपति ने बताया कि अष्टम दीक्षान्त समारोह में परीक्षा वर्ष 2021 में उत्तीर्ण हुए कुल 1 लाख 26 हजार 880 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। वहीं इसी वर्ष की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। कला संकाय की दिव्या हर्ष को कुलाधिपति पदक एवं शिक्षा संकाय की किरण शर्मा को कुलपति पदक प्रदान किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में ही 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 2021 तक के 39 विद्यार्थियों को विद्या-वाचस्पति की उपाधि प्रदान की जाएगी। कुलपति ने बताया कि समारोह में राज्यपाल मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय के शिव काशी द्वार, बायोडाइवर्सिटी पार्क, लेफ्टिनेंट कर्नल किशन सिंह शूटिंग रेन्ज, महर्षि भारद्वाज भवन के विस्तार एवं संत मीरा बाई सभागार में महाराजा गंगा सिंह की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीक्षान्त एवं स्थापना दिवस समारोह को विशिष्ठ बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार सात दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला के 1 से 6 जून तक प्रतिदिन विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए इन्डोर गेम, योगा, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, गायन, नृत्य, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

पहली बार देंगे महाराजा गंगा सिंह और डॉ. करणी सिंह अवार्ड

कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित की पहल पर दीक्षान्त समारोह के दिन पहली बार सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को महाराजा गंगा सिंह अवार्ड एवं खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को डॉ. करणी सिंह खेल अवार्ड प्रदान किया जाएगा। सत्र 2022-23 के लिए विश्वविद्यालय योगा विभाग की प्रियंका को महाराजा गंगा सिंह अवार्ड तथा चूरू बालिका महाविद्यालय की छात्रा निकिता लाम्बा को महाराजा करणी सिंह खेल अवार्ड प्रदान किया जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में कांस्य पदक प्राप्त करने वाली निकिता लाम्बा को 3 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। समारोह में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों को प्रदर्शित करने वाली दीक्षा स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।

केशोरायपाटन में जैन पत्रकार महासंघ का क्षेत्रीय अशिवेशन 9 जून को

कोटा. शाबाश इंडिया

जैन पत्रकारों के समूह के रूप में शिक्षा नगरी कोटा में ही स्थापित जैन पत्रकार महासंघ (रजि.) का क्षेत्रीय अशिवेशन रविवार 9 जून को श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र केशोरायपाटन में होने जा रहा है। मुख्य संयोजक एवं राष्ट्रीय मंत्री जैन पत्रकार महासंघ राकेश जैन 'चपलमन' ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 5 वर्ष पूर्व महासंघ की कोटा में ही स्थापना हुई थी। तभी से नियमित रूप से राष्ट्रीय व क्षेत्रीय अधिवेशन देश के विभिन्न स्थानों पर भिन्न भिन्न विषयो पर आयोजित किये जाते है । इस वर्ष भारत गौरव गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में इसका आयोजन किया जा रहा है ,उक्त आयोजन का दीप प्रज्जवलन अनिल- सुनीता ठौरा कोटा करेंगे। कोटा जिला संयोजक पारस जैन (पत्रिका) ने बताया कि 9 जून को दोपहर 1:30 बजे अधिवेशन प्रारम्भ होगा । जिसमें महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश तिजारिया,राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, डा.अनिल जैन जयपुर, राजेंद्र जैन महावीर सनावद, सुनील जैन संचय ललितपुर, अकलेश जैन अजमेर, दिलीप जैन जयपुर,मनीष जैन विद्यार्थी शाहगढ, महेंद्र बैराठी जयपुर, संजय जैन बडजात्या कामां, पाटन क्षेत्र के अध्यक्ष गुलाबचन्द जैन (चूना वाले) मंत्री राजेन्द्र वेद सहित विभिन्न स्थानों से बुद्धिजीवी, वरिष्ठ पत्रकार एवं हाडौती सम्भाग के सभी जैन पत्रकार, सम्पादक, संवाददाता, लेखक व प्रकाशक भाग लेंगे। आयोजित अधिवेशन में मुख्य रूप से प्रिंट मीडिया की आवश्यकता एवं जैन पत्रकारों के संरक्षण विषय पर चिंतन व मंथन किया जायेगा। बून्दी जिला संयोजक महावीर सरावगी, जयपुर जिला संयोजक चक्रेश जैन एवं केशोरायपाटन क्षेत्रीय संयोजक मुकेश जैन के निर्देशन में सभी जिला, संभागों को इस अधिवेशन में जोड़ा जा रहा है ।